IIM Raipur successfully concludes Two-day Management Development Program (MDP) on "Project Management & Execution"

Raipur, August 29, 2025

The Indian Institute of Management (IIM) Raipur recently and successfully concluded a two-day *Management Development Program (MDP)* on "Project Management & Execution" for the Foundation of Ecological Security (FES). The program was tailored to meet the specific developmental needs of mid-level professionals working in ecological and community-driven projects.

Co-directed by Prof. Jagrook Dawra and Prof. M. Ramkumar, the MDP provided a comprehensive learning experience to enhance the project leadership capabilities of participants, enabling them to translate long-term ecological goals into actionable field strategies.

The program offered an intensive curriculum including themes such as strategic-to-operational planning, modern project management frameworks tailored for the NGO sector, critical chain thinking, financial planning in grant-funded projects, stakeholder management, project scheduling, and conflict resolution. Sessions were conducted by distinguished faculty members, Prof. Jagrook Dawra (Strategic Planning), Prof. M. Ramkumar (Project Lifecycle and Delays), Prof. Ranjan Dasgupta (Project Finance), Prof. Rajeev A. (Time and Cost Estimation), Prof. Parikshit Charan (Monitoring & Control), Prof. Ritu Gupta (Stakeholder Communication), Prof. Archana Parashar (Negotiation & Conflict Management).

The pedagogical approach combined participatory learning, case-based discussions, practice-oriented exercises, and simulations tailored to the ecological development context. This encouraged participants to reflect on their field experiences while acquiring new project execution skills.

The program concluded with a valedictory ceremony, graced by Prof. Sanjeev Prashar, Director-in-Charge, IIM Raipur. He commended the collaborative spirit of FES and appreciated the institute's engagement in building capacity for ecological sustainability. The session also featured reflections by the Program Directors, followed by certificate distribution and a vote of thanks.

This program highlights IIM Raipur’s ongoing commitment to developing socially conscious leadership and strengthening the capabilities of institutions working at the intersection of ecology and community development.

About IIM Raipur:

Established in 2010, IIM Raipur is a hub for nurturing dynamic leaders, equipping them with the knowledge, experience, and invaluable contacts needed to excel in their respective fields of business. Our institution draws strength from over 50 accomplished academicians across various business domains and over 700 of the brightest minds in the country. In 2024, IIM Raipur proudly achieved significant rankings, including 14th in the MHRD-NIRF Business Ranking, in 2023, securing the top spot in the CSR-GHRDC B-school Ranking, and ranking 8th in the Outlook-ICARE list. We are one of the fastest-growing IIMs in the nation. Nestled in the vibrant heart of Chhattisgarh, Naya Raipur, our

new, state-of-the-art campus seamlessly blends modern architecture with Chhattisgarh, rich culture and heritage, creating a unique and inspiring learning environment.

For more information, please visit: www.iimraipur.ac.in

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT RAIPUR

भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर

Building Business Owners

भा. प्र. सं. रायपुर में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ दो दिवसीय प्रबंध विकास कार्यक्रम (एम.डी.पी.) "प्रोजेक्ट मैनेजमेंट एवं एक्ज़ीक्यूशन"

रायपुर, 29 अगस्त 2025

भारतीय प्रबंध संस्थान (भा. प्र. सं.) रायपुर ने हाल ही में *फाउंडेशन ऑफ़ इकोलॉजिकल सिक्योरिटी (एफ.ई.एस.)* हेतु "प्रोजेक्ट मैनेजमेंट एवं एक्ज़ीक्यूशन" विषय पर दो दिवसीय प्रबंध विकास कार्यक्रम (एम.डी.पी.) का सफलतापूर्वक आयोजन किया। यह कार्यक्रम विशेष रूप से उन मध्य-स्तरीय पेशेवरों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया था, जो पारिस्थितिकीय एवं समुदाय-आधारित परियोजनाओं में कार्यरत हैं।

इस कार्यक्रम का निर्देशन प्रो. जग्गूक दवरा एवं प्रो. एम. रामकुमार ने संयुक्त रूप से किया। इसमें प्रतिभागियों की परियोजना नेतृत्व क्षमता को सुदृढ़ बनाने पर बल दिया गया ताकि वे दीर्घकालिक पारिस्थितिकीय उद्देश्यों को वास्तविक क्षेत्रीय रणनीतियों में परिणत कर सकें।

कार्यक्रम में गहन पाठ्यक्रम सम्मिलित था, जिसमें सामरिक से प्रचालनात्मक योजना, ग़ैर-सरकारी संगठनों हेतु अनुरूप आधुनिक परियोजना प्रबंधन रूपरेखाएँ, *क्रिटिकल चेन थिंकिंग*, अनुदान-आधारित परियोजनाओं में वित्तीय योजना, हितधारक प्रबंधन, परियोजना समय-निर्धारण तथा विवाद-निवारण जैसे विषय शामिल रहे। सत्र प्रतिष्ठित प्राध्यापकों द्वारा संचालित किए गए, प्रो. जग्गूक दवरा (सामरिक योजना), प्रो. एम. रामकुमार (परियोजना जीवनचक्र एवं विलम्ब), प्रो. रंजन दासगुप्ता (परियोजना वित्त), प्रो. राजीव ए. (समय एवं लागत का आकलन), प्रो. परिक्षित चरन (निगरानी एवं नियंत्रण), प्रो. ऋतु गुप्ता (हितधारक संचार), प्रो. अर्चना पराशर (वार्ता एवं विवाद प्रबंधन).

शिक्षण-पद्धति में सहभागी अधिगम, प्रकरण-आधारित चर्चा, अभ्यासोन्मुख अभ्यास तथा पारिस्थितिकीय विकास संदर्भानुकूल अनुकरण को सम्मिलित किया गया, जिससे प्रतिभागियों ने अपने क्षेत्रीय अनुभवों पर चिंतन करते हुए परियोजना निष्पादन की नवीन क्षमताएँ अर्जित कीं।

आयोजित समापन समारोह में भा. प्र. सं. रायपुर के निदेशक-प्रभारी प्रो. संजीव प्रशर ने मुख्य अतिथि के रूप में सहभागिता की। उन्होंने एफ.ई.एस. की सहयोगात्मक भावना की सराहना की और संस्थान की इस प्रतिबद्धता की प्रशंसा की कि वह पारिस्थितिकीय सततता हेतु क्षमता-निर्माण में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। इस अवसर पर कार्यक्रम निदेशकों के विचार, प्रमाण-पत्र वितरण तथा धन्यवाद-प्रस्तुति भी सम्पन्न हुई।

यह कार्यक्रम भा. प्र. सं. रायपुर की सामाजिक रूप से सजग नेतृत्व क्षमता विकसित करने तथा पारिस्थितिकीय एवं सामुदायिक विकास के संगम पर कार्यरत संस्थानों की क्षमताओं को सुदृढ़ करने की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर के बारे में:

2010 में स्थापित, भा.प्र.सं. रायपुर एक ऐसा केंद्र है जो गतिशील लीडर्स को विकसित करता है और उन्हें उस

ज्ञान, अनुभव एवं महत्वपूर्ण संबंधों से सुसज्जित करता है जो व्यवसाय के क्षेत्र में उत्कृष्टता हेतु आवश्यक हैं। यह संस्थान

विभिन्न व्यवसायिक क्षेत्रों में 50 से अधिक विद्वान शिक्षकों तथा देश के 700 से अधिक प्रतिभाशाली विद्यार्थियों से अपनी

शक्ति प्राप्त करता है। 2024 में, भा.प्र.सं. रायपुर ने एमएचआरडी-एनआईआरएफ बिजनेस रैंकिंग में 14वाँ स्थान प्राप्त

किया, 2023 में सीएसआर-जीएचआरडीसी बी-स्कूल रैंकिंग में शीर्ष स्थान और आउटलुक-आईकेयर सूची में 8वाँ स्थान

हासिल किया। ये उपलब्धियाँ संस्थान की उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता को प्रमाणित करती हैं और इसके देश के सर्वाधिक

तेजी से प्रगति करने वाले प्रबंधन संस्थानों में स्थान को रेखांकित करती हैं।

छत्तीसगढ़ की राजधानी नया रायपुर के जीवंत परिवेश में स्थित अत्याधुनिक परिसर आधुनिक वास्तुकला एवं छत्तीसगढ़

की समृद्ध संस्कृति और विरासत का अद्वितीय संगम प्रस्तुत करता है, जो प्रेरणादायी शिक्षण वातावरण निर्मित करता है।

भा.प्र.सं. रायपुर ज्ञानार्जन की पारंपरिक परिधि से परे जाकर एक समग्र शैक्षिक अनुभव प्रदान करता है, जो विद्यार्थियों

को केवल करियर ही नहीं, बल्कि ऐसे नेतृत्वकारी दायित्वों के लिए भी तैयार करता है जो व्यवसायिक परिदृश्य में सार्थक

योगदान दें।